प्रत्येक जोन सहित मुख्य कार्यालय में हेल्प डेस्क व शिकायत पेटी के साथ प्रत्येक सोमवार को समस्त जोन में लगेगा जनदर्शन निगमायुक्त एस.के. सुंदरानी ने समीक्षा बैठक मे दिए निर्देश'

भिलाईनगर/ निगम के मुख्य एवं जोन कार्यालय में अब शिकायत पत्र लेकर नागरिकों को पत्र देने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा आयुक्त एस0के0 सुंदरानी ने शिकायत पत्र जमा करने के लिए शिकायत पेटी तथा हेल्प डेस्क की स्थापना किये जाने के निर्देश दिये हैं , तथा नागरिकों की सुविधा के लिए प्रत्येक सोमवार को सभी जोन कार्यालय में जनदर्शन आयोजित कर अधिकारी नागरिकों से शिकायत सुनेंगे। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त एस.के. सुंदरानी ने समस्त जोन आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी की बैठक लेकर विभिन्न कार्यों जिसमें प्रगतिरत् कार्य , अपूर्ण कार्यों एवं प्रारंभ किये जाने वाले कार्यों सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। श्री सुंदरानी ने मुख्य कार्यालय स्थित हेल्प डेस्क में निगम कर्मचारी श्रीमती मंगला जोशी को इस कार्य हेतु पदस्थ किया गया है। इसके साथ-साथ समस्त जोन कार्यालय में प्रत्येक सोमवार को जनदर्शन लगाया जायेगा जहां जोन आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी आवेदनों की सुनवाई कर निराकरण करेंगे , जिसका समय 11.00 से 1.30 बजे तक होगा। आयुक्त एस.के. सुंदरानी ने समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि नागरिकों से प्राप्त ऐसी समस्या जिसे कम समय में तुरंत निराकृत किया जा सकता है जैसे- पेयजल , सफाई, बिजली छोटे-छोटे कार्यों को यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये हैं । राज्य शासन द्वारा लोक सेवा केन्द्र के तहत् आने वाले कार्यों जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र पंजीयन एवं सुधार, विवाह पंजीकरण एवं प्रमाण पत्र, नल कनेक्शन, संपत्ति नामांतरण, व्यापार अनुज्ञप्ति हेतु अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जारी करने के निर्देश दिये उन्होने कहा कि सभी विभाग प्रमुख कार्यालयीन समय 10.30 से 1.00 बजे तक अपने विभाग में उपस्थित रहकर जन समस्याओं का निराकरण अवश्य करें। उन्होने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि नागरिक को अपनी मूलभूत समस्याओं अथवा शिकायत को लेकर भटकना न पड़े जो भी निगम में अपनी समस्याओं को लेकर आए उनका यथोचित निराकरण हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें जो भी दिये गये निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। आयुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 मे भिलाई को नंबर वन बनाने के लिए सभी अधिकारियों को सुबह से ही अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में निरीक्षण करने निर्देशित किया।